2 मेहनत की कमाई

एक अमीर बाप ने अपने आलसी बेटे को बुलाकर कहा, "जा, कुछ कमा ला।" लड़का लापरवाह और निर्लज्ज था। काम करने की उसकी आदत न थी। सीधा माँ के पास गया और रो–धोकर, मिन्नतें कर उसे कुछ देने को राजी कर लिया। माँ से बेटे का दुःख देखा न गया, उसने उसे एक रुपया बक्से से निकाल कर दे दिया।

रात को बाप ने पूछा, "बेटा, तूने क्या कमाया ?" लड़के ने झट से रुपया निकाल कर दिखा दिया। अनुभवी पिता सब समझ गया। उसने कहा, "जा, इसे कुएँ में फेंक आ।" लड़के ने झटपट जाकर रुपया कुएँ में डाल दिया। अगले दिन पिता ने फिर कहा "जा, कुछ कमा ला, नहीं तो, आज भोजन नहीं मिलेगा।"

लड़का अपनी बहिन के पास जाकर रोने लगा। बहिन ने तरस खा कर एक रुपया अपने पास से उसे दे दिया। बाप ने रात्रि में लड़के से पूछा, "आज तू क्या कमा कर लाया ?" लड़के ने जेब में से निकाल कर एक रुपया बाप के सामने रख दिया। बाप बोला, "जा, इसे कुएँ में फेंक आ।" लड़के ने वैसा ही किया।

अनुभवी पिता ने पत्नी और बेटी को बाहर भेज दिया। पिता ने बेटे से प्रातः उठने पर कहा, "जा, कुछ कमा कर ला, नहीं तो रात को भोजन नहीं मिलेगा।" बेटा दिन भर सुस्त बैठा रहा। उसकी आँखों से आँसू बहते रहे। कोई उसकी सुध लेने वाला न था। विवश होकर संध्या के समय वह उठा और बाजार में मजदूरी खोजने लगा। एक सेठ ने कहा, "मेरा यह संदूक उठा कर घर पहुँचा दे, मैं तुझे चार आने दूँगा।"

अमीर बाप के बेटे ने संदूक उठा कर सेठ के घर पहुँचाया। वह थककर चूर हो गया। उसके पाँव काँप रहे थे और गर्दन तथा पीठ में भयंकर दर्द हो रहा था। रात को बाप ने पूछा, "बेटा, आज तूने क्या कुछ कमाया ?'' लड़के ने चवन्नी निकाल कर दिखाई। बाप बोला, "जा, इसे कुएँ में डाल आ।'' लड़के को क्रोध आ गया। वह बोला, "यह मेरी मेहनत की कमाई है। मेरी गर्दन, कमर और पैर दुखने लगे हैं, आप कहते हैं इसे कुएँ में डाल आ।'' अनुभवी पिता सब कुछ समझ गया। अगले दिन उसने अपना सारा व्यापार लड़के के हवाले कर दिया।

– सुदर्शन

अभ्यास–कार्य

शब्द–अर्थ

लापरवाह	–	असावधान, बेफिक्र
विवश	–	मजबूर
मिन्नत	–	विनती
झटपट	–	तुरत–फुरत
क्रोध	–	गुस्सा
मेहनत	–	परिश्रम

उच्चारण के लिए

व्यापार, गर्दन, क्रोध, दर्द, भयंकर, निर्लज्ज, मिन्नतें, विवश

सोचें और बताएँ

1. पिता ने बेटे को बुलाकर क्या कहा ?
2. बालक सरलता से एक रुपया कुएँ में क्यों फेंक देता था ?
3. बालक ने अंतिम दिन चवन्नी कुएँ में क्यों नहीं फेंकी ?

लिखें

1. रिक्त स्थान भरें

   (बुखार, दुखने, माँ, रोने, बेटी)

   (क) बेटा ..... के पास जाकर ..... लगा।

   (ख) पिता ने पत्नी और ..... को बाहर भेज दिया।

   (ग) लड़के को ..... आ गया।

   (घ) मेरी गर्दन, कमर और पैर ..... लगे हैं।
2. बालक अंतिम दिन मजदूरी करने पर विवश क्यों हुआ ?
3. बालक ने चार आने किस प्रकार कमाए ?
4. ''बेटा दिन भर सुस्त बैठा रहा। उसकी आँखों से आँसू बहते रहे।'' बेटा उदास क्यों बैठा था ?
5. ''सेठ की सूझबूझ ने बालक का जीवन बदल दिया।'' कैसे ? समझाइए।
6. अनुभवी पिता ने पत्नी और बेटी को बाहर क्यों भेजा होगा, बताओ।
7. बेटे की गर्दन, कमर और पैर क्यों दुखने लगे थे ?

भाषा की बात

- पाठ में आए निम्नलिखित शब्दों के विपरीत अर्थ वाले शब्द लिखिए

  दुःख – .....

  जल्दी – .....

  रात्रि – .....

  जीवन – .....

- नीचे दिए गए शब्दों का वाक्य में प्रयोग करें

  स्वस्थ – स्वस्थ रहने के लिए व्यायाम करें।

  (क) पेड़ – .....

(ख) जल .....

(ग) बेटी .....

(घ) आदर .....

यह भी करें–

- यदि माँ और बहिन हमेशा उसे पैसे देती रहती तो क्या होता ?
- पिता ने अपना सारा व्यापार लड़के के हवाले क्यों किया होगा ?
- ''मेहनत की कमाई'' कहानी को कक्षा में नाटक के रूप में प्रदर्शित करें।
- मेहनत करना क्यों जरूरी है ? आप अपने शब्दों में एक लेख तैयार कर प्रार्थना सभा में सुनाएँ।

जो पुरुषार्थ नहीं करते उन्हें धन, मित्र, ऐश्वर्य, सुख, स्वास्थ्य, शांति और संतोष प्राप्त नहीं होते। –वेदव्यास